



# हनुमान चालीसा पाठ

(Hanuman Chalisa Lyrics)

PDF Hindi



॥ दोहा ॥

श्रीगुरु चरन सरोज रज, निज मनु मुकुरु सुधारि ।  
बरनऊं रघुबर बिमल जसु, जो दायकु फल चारि । ।

बुद्धिहीन तनु जानिके, सुमिरौं पवन-कुमार ।  
बल बुद्धि बिद्या देहु मोहिं, हरहु कलेस बिकार । ।

HindiReadDuniya.com

## ॥ चौपाई ॥

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर ।  
जय कपीस तिहुं लोक उजागर । ।  
रामदूत अतुलित बल धामा ।  
अंजनि-पुत्र पवनसुत नामा । ।  
महाबीर बिक्रम बजरंगी ।  
कुमति निवार सुमति के संगी । ।  
कंचन बरन बिराज सुबेसा ।  
कानन कुंडल कुंचित केसा । ।  
हाथ बज्र औ ध्वजा बिराजै ।  
कांधे मूंज जनेऊ साजै । ।  
संकर सुवन केसरीनंदन ।  
तेज प्रताप महा जग बन्दन । ।  
विद्यावान गुनी अति चातुर ।  
राम काज करिबे को आतुर । ।  
प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया ।  
राम लखन सीता मन बसिया । ।  
सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा ।  
बिकट रूप धरि लंक जरावा । ।  
भीम रूप धरि असुर संहारे ।  
रामचंद्र के काज संवारे । ।

## ॥ चौपाई ॥

लाय सजीवन लखन जियाये ।  
श्रीरघुबीर हरषि उर लाये । ।  
रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई ।  
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई । ।  
सहस बदन तुम्हरो जस गावैं ।  
अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं । ।  
सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा ।  
नारद सारद सहित अहीसा । ।  
जम कुबेर दिगपाल जहां ते ।  
कबि कोबिद कहि सके कहां ते । ।  
तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा ।  
राम मिलाय राज पद दीन्हा । ।  
तुम्हरो मंत्र बिभीषन माना ।  
लंकेस्वर भए सब जग जाना । ।  
जुग सहस्र जोजन पर भानू ।  
लील्यो ताहि मधुर फल जानू । ।  
प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं ।  
जलधि लांघि गये अचरज नाहीं । ।  
दुर्गम काज जगत के जेते ।  
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते । ।

